

प्रेषक,

कुँवर सिंह,  
अपर सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

आयुक्त,  
खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग,  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक: 19 मार्च, 2008

विषय- जनपद पिथौरागढ़ में अनुसूचित जनजाति उप योजना के अन्तर्गत खाद्यान्न गोदाम निर्माण हेतु वर्ष 2007-08 में धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक जिला पूर्ति अधिकारी, चम्पावत के पत्रांक- 1364/जि0पू0अ0/40-गो0नि0(अनु0बाहु0 क्षेत्र)/2008, दिनांक 07 जनवरी, 2008 के कम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद पिथौरागढ़ के अनुसूचित जनजाति बाहुल्य क्षेत्र को दृष्टिगत रखते हुए जनपद के स्थान होकरा, सिरदांग, गुंजी, दुग्गू, बुर्फू तथा उछेती स्थानों में खाद्यान्न गोदाम निर्माण हेतु ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा विभाग, पिथौरागढ़ द्वारा तैयार किये गये आंगणन होकरा हेतु रु. 52.73 लाख, सिरदांग हेतु रु. 54.66 लाख, गुंजी हेतु रु. 94.86 लाख, दुग्गू हेतु रु. 87.22 लाख, बुर्फू हेतु रु. 87.13 लाख तथा उछेती हेतु रु. 52.74 लाख कुल धनराशि रु. 429.14 लाख के सापेक्ष टी0ए0सी0 वित्त द्वारा परीक्षणोपरान्त कमशः होकरा हेतु रु. 51.26 लाख, सिरदांग हेतु रु. 53.69 लाख, गुंजी हेतु रु. 93.69 लाख, दुग्गू हेतु रु. 86.37 लाख, बुर्फू हेतु रु. 86.16 लाख तथा उछेती हेतु रु. 51.78 लाख कुल धनराशि रु. 422.95 लाख (रुपये चार करोड़ बाईस लाख पचानवे हजार मात्र) की प्रशासकीय स्वीकृति तथा उक्त प्रस्तावित योजनाओं हेतु चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के लिये वित्तीय स्वीकृति प्रथम किस्त के रूप में कमशः होकरा हेतु रु. 24.00 लाख, सिरदांग हेतु रु. 25.00 लाख, गुंजी हेतु रु. 45.00 लाख, दुग्गू हेतु रु. 41.00 लाख, बुर्फू हेतु रु. 41.00 लाख तथा उछेती हेतु रु. 24.00 लाख कुल धनराशि रु. 200.00 लाख (रुपये दो करोड़ मात्र) की धनराशि निम्न शर्तों के अधीन आपके निर्वहन पर रखते हुए व्यय करने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

1. उक्त धनराशि आहरित कर निर्माण इकाई अधीक्षण अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा, पिथौरागढ़ को इस शर्त के साथ उपलब्ध करायी जायेगी कि वह मार्च, 2008 तक उक्त सभी खाद्यान्न गोदामों का निर्माण करते हुए उसकी भौतिक प्रगति एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध करायेंगे। स्वीकृत धनराशि का 10 प्रतिशत धनराशि योजनाओं का वित्तीय एवं भौतिक प्रगति/उपयोगिता प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने के पश्चात् अवमुक्त की जायेगी। संशोधित आंगणन की प्रति संलग्न है।
2. आंगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को तथा जो दरें शिड्यूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गयी हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदन करना आवश्यक होगा। तदोपरान्त ही आंगणन की स्वीकृति मान्य होगी।
3. कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आंगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के किसी भी दशा में कार्य को प्रारम्भ न किया जाय।
4. कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितना कि स्वीकृत फार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाये।
5. एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आंगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करने के उपरान्त कार्य टेकअप किया जाये।
6. कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्य नजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।

7. कार्य कराने से पूर्व स्थल का भू-माप निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भुगर्भदेता के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात् स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणों के अनुरूप कार्य किया जाये।
8. आंगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाये, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाये।
9. निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का किसी प्रयोगशाला में टेस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाये।
10. जीपीओडब्लू0 फार्म 9 की शर्तों के अनुसार निर्माण इकाई को कार्य सम्पादित करना होगा तथा समय से कार्य को पूर्ण न करने पर 10 प्रतिशत की दर से आंगणन की कुल लागत का निर्माण इकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा।
11. स्वीकृत कार्यों पर व्यय करते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका, बजट मैनुअल, स्टोर चार्ज रूल्स एवं मितव्ययता के संबंध में शासन द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों का पालन कड़ाई से किया जायेगा।
12. कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाय एवं इसका पूर्ण उत्तरदायित्व निर्माण इकाई कार्यदायी संस्था का होगा। यह सुनिश्चित किया जाय कि अब पुनरीक्षित आंगणन स्वीकृत किसी भी दशा में नहीं किया जायेगा। इस धनराशि पर योजना पूर्ण की जायेगी।
13. स्वीकृत धनराशि वित्तीय वर्ष 2007-08 के अनुदान संख्या 31- अनुसूचित जनजातियों का कल्याण के लेखाशीर्षक 4408-खाद्य भण्डारण तथा भाण्डागारण पर पूंजीगत परिव्यय-01खाद्य-आयोजनागत-800-अन्य व्यय-03 गोदामों का निर्माण-24 वृहत निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।
14. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या- 1509/वित्त अनुभाग-5/2008, दिनांक 18 मार्च, 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक-यथोपरि।

मददीय,

(कुंवर सिंह)

अपर सचिव।

संख्या-163 (1)/XIX/2008-152 खाद्य/2006, तददिनांकित।

प्रतिलिपि- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय भवन, माजरा, देहरादून।
2. वित्त नियंत्रक, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, उत्तराखण्ड, देहरादून।
3. आयुक्त, कुमायूं सम्भाग, नैनीताल।
4. अपर आयुक्त/उपायुक्त, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, उत्तराखण्ड, देहरादून।
5. जिलाधिकारी/जिला पूर्ति अधिकारी, पिथौरागढ़।
6. वरिष्ठ कोषाधिकारी, पिथौरागढ़/नैनीताल।
7. सम्भागीय खाद्य नियंत्रक, कुमायूं सम्भाग, हल्द्वानी।
8. वरिष्ठ सम्भागीय वित्त अधिकारी, खाद्य, कुमायूं सम्भाग, हल्द्वानी।
9. अधीक्षण अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा, पिथौरागढ़।
10. वित्त अनुभाग-5/नियोजन विभाग/समाज कल्याण (नि0प्रकोष्ठ)/खाद्य अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन।
11. समन्वयक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
12. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
13. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(कुंवर सिंह)

अपर सचिव।